लेखक बन्धु सँ

गामघर साप्ताहिकक हेतु अपन सम सामयिक विचार, आलेख, सामाचार एवं साहित्यिक रचना सभ निम्न पता पर पठाबि सहयोग करी से हार्दिक अनुरोध ।

प्रधान सम्पादक

१/५५५ सरस्वती सदन, जनकपुरधाम, फोन नं. ५२०२६७

जि.का.ध.द.नं. ६/०३९/०४०

नेपालसँ प्रकाशित पहिल एवम 'क' श्रेणीक मैथिली साप्ताहिक समाचार पत्र

गामघर साप्ताहिक

गामघर साप्ताहिक

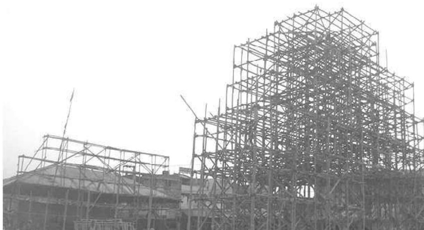
वर्ष: ३७ अंक: ४८ २०७५ आसिन १८ बृहस्पति जनकपुरधाम [04 Oct. 2018] मोल: ५/-टका

जनकपुरधाममे दुर्गा पूजाक तैयारी सुरू

गामघर समाचारदाता

जनकपुरधाम

हिन्दुसभके महान पावनि विजया दशमीके आवएमे किछु दिन मात्र बाँकी रहल समयमे जनकपुरधाममे ओकर तैयारीके तीव्रता देलगेल अछि । अतके स्थानीय युवा क्लबसभ दुर्गा पूजाके भव्यताके सँग मनाबएलेल तैयारीमे जुटल अछि । प्रमुख शक्तिपीठ राजदेवी मन्दिरसहित एक दर्जनसँ अधिक स्थानमे शक्ति स्वरुपा दुर्गाक मूर्ति स्थापना कऽ भव्यताके सँग दुर्गा पूजा मनाओल जाइत अछि । दुर्गा पूजामे पूजा होबएबला राजदेवी मन्दिरसहित अन्य स्थानके सरसजावटमे जनकपुरधामके युवा क्लबसभ तयारी शुरु कएने छैक । दुर्गा पूजा आवएस महिनो पहिने अतके युवा क्लबसभ सरसजावट सहितक कार्यमे सक्रिय भऽ जाइत अछि। राम मन्दिर परिसर भितर रहल राजदेवी मन्दिरक अतिरिक्त मूर्ति स्थापना कऽ पूजा कएल जाएबला ठामँसभमे आकर्षक पण्डाल, रंगीचंगी बल्व लाइट तथा सर(सजाबटके काज शुरु भऽ गेल



अछि । राजा जनकके कुलदेवी कहलगेल प्रसिद्ध राजदेवी मन्दिरमे आकर्षक पण्डाल आ भिलिमिलीया बत्तीसभ लगएबाक काज शुरु भऽ गेल स्थानीय महाबीर युवा कमिटीके कहब छैक ।

तहिना स्थानीय रामानन्द युवा क्लब हरेक वर्ष जेका एहि वर्ष सेहो माटिके मूर्ति निर्माण कऽ पूजाक तयारीमे जुटल अछि । पूजाके भव्यता प्रदान करए लेल क्लब रामानन्द चोकमे पण्डाल निर्माणका काज शुरु कएने छैक । घटस्थापनासँ शुरु होबएबला पूजाअर्चना विजया दशमीधरि चलएबला पूजाके सम्पन्न करएमे १० लाख खर्च लगबाक अनुमान कएलगेल अछि। रामानन्द चौकमे टोल पड्ोस, नगरवासीक सहयोगमे १९ वर्षसँ पूजा सम्पन्न होइत आएल अछि ।

एकरा सँगहि जनकपुरधामके मुरली चोक, भ्रमरपुरा चोक, पिडडीया माइस्थान, रजौल सहितक क्षेत्रके युवा क्लबसभ दर्शैंमे दुर्गा पूजाके भव्यता प्रदान करए लेल सरसजावटमे जुटल अछि । नेपालभरिमे प्रसिद्ध रहल दुर्गा पूजामे जनकपुरधामके दुर्गा पूजा देखए पर्यटकसभ सेहो अबैत अछि। तहिना पूजा नजदिक आएल समय बजारमे चहल पहल सेहो बढ़ल अछि । खास कऽ कऽ दुर्गा पूजाक समयमे कपड़ासभके विक्रीमे वृद्धि भेल कपड़ाके व्यापार कऽ रहल धीरज साह बतौलनि ।

नेपालको संविधानमानागरिकता सम्बन्धी प्रावधान

- कुनै पनि नेपाली नागरिक नागरिकता प्राप्त गर्ने हकबाट वञ्चित नहुने ।
- प्रादेशिक पहिचान सहितको एकल संघीय नागरिकताको व्यवस्था गरिएको ।
- संविधान प्रारम्भ हुँदाका बखत नेपालको नागरिकता प्राप्त गरेका व्यक्ति नेपालको नागरिक हुने ।
- वंशजको आधारमा नेपालको नागरिकता प्राप्त गर्ने व्यक्तिले निजको बाबु वा आमाको नामबाट लैङ्गिक पहिचान सहितको नागरिकताको प्रमाणपत्र पाउने ।
- नागरिकको परिचय खुल्ने गरी अभिलेख राखिने ।

नेपाली नागरिकता प्राप्त हुने अवस्था :-

१. वंशजको नागरिकता

- संविधान प्रारम्भ हुनु भन्दा अघि वंशजको नागरिकता प्राप्त गरेका व्यक्ति,
- जन्म हुदाँ कुनै व्यक्तिको बाबु वा आमा नेपालको नागरिक रहेको अवस्थामा त्यस्तो व्यक्ति,
- संविधान प्रारम्भ हुनुभन्दा अघि बाबु र आमा दुवैले जन्मको आधारमा नेपालको नागरिकता प्राप्त गरेका सन्तान बालिग भएपछि,
- नेपालभित्र फेला परेको पितृत्व र मातृत्वको ठेगान नभएको नाबालक निजको बाबु वा आमा फेला नपरेसम्म,
- नेपालको नागरिक आमाबाट नेपालमा जन्मभई नेपालमा नै बसोबास गरेको र बाबुको पहिचान हुन नसकेको व्यक्ति,

तर बाबु विदेशी नागरिक ठहरेमा संघीय कानून बमोजिम अंगीकृत नागरिकतामा परिणत हुने,

- विदेशी नागरिकसँग विवाह गरेकी नेपाली महिला नागरिकबाट जन्मिएको, निज नेपालमा नै स्थायी बसोबास गरी निजले विदेशी मुलुकको नागरिकता प्राप्त नगरेको र नागरिकता प्राप्त गर्दाका बखत निजका आमा र बाबु दुवै नेपाली नागरिक रहेछन् भने नेपालमा जन्मेको त्यस्तो व्यक्ति ।

नागरिकता प्राप्त गर्दाका बखत आमा र बाबु दुवै नेपाली नागरिक रहेछन् भने नेपालमा जन्मेको त्यस्तो व्यक्तिले वंशजको आधारमा नेपाली नागरिकता प्राप्त गर्ने । धारा (११) (७)

२. अंगिकृत नागरिकताप्राप्त गर्न सक्ने:

क. विदेशी नागरिकले संघीय कानून बमोजिम अंगीकृत नागरिकता प्राप्त गर्न सक्ने ।

ख. वैवाहिक अंगिकृत देहाय बमोजिम प्राप्त गर्न सकिने ।

- नेपाली नागरिकसँग वैवाहिक सम्बन्ध कायम गरेकी विदेशी महिलाले संघीय कानून बमोजिम,
- विदेशी नागरिकसँग विवाह गरेकी नेपाली नागरिकबाट जन्मिएको, नेपालमा नै स्थायी बसोवास गरेको र विदेशी नागरिकता प्राप्त नगरेको व्यक्तिले संघीय कानून बमोजिम

नेपाल सरकार
कानुन, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय



नेपाल सरकार
सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय
सूचना तथा प्रसारण विभाग

मनोरञ्जन



राजकुमारक अजिबो-गरिब खिस्सा

पृष्ट ५ मे

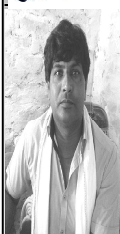
विज्ञान/प्रविधि/स्वास्थ्य



प्राकृतिक तेलसँ करी मच्छसभसँ बचाव

पृष्ट ५ मे

साप्ताहिक विचार



वाई अपन काज करएलेल प्रतिवद्ध छैक : जानकी राम साह

पृष्ट २ मे

एक नजरि

जनकपुर क्षेत्रक सांस्कृतिक सम्पदाक अपेक्षा कहिया धरि ?

रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"

कतेको गढ़ी आ पुरातात्विक स्थल सभके खोजवीन भेल मुदा से अपूर्ण आ कही त जाना-जानी बन्द कऽ देलगेल । मनशाय की रहैक-कहब कठिन । मुदा जँ ताहि सम्पदा सभक गहन रुपें उत्खनन आ परीक्षण हाइतैक तँ तकर महत्व आर बढ़ि जइतैक आ एहि क्षेत्रक ईतिहास आर कतेक दशक पाछा जा स्थीर होइत । अपन सम्पदाक संरक्षण कऽ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय जगतमे अपन इतिहासक गौरबगाथाकें प्रसारित करबाक ई सुन्दर अवसर छैक । मिथिला-मधेशक इतिहासकें सदैव सँ दबाओल गेल छैक । एकरा आब वाहर लएबाक जरुरति छैक ।

नेपाल सरकार किछु दशक पूर्वधरि मधेशक किछु जिल्लामे पुरातात्विक सम्पदासभकें उत्खनन, सर्भेक्षणक काज कऽ तकर समय आ महत्व वाहर लएबाक प्रयास कएने रहए । मुदा सब अपूर्ण । कतेको गढ़ी आ पुरातात्विक स्थल सभके खोजवीन भेल मुदा से अपूर्ण आ कही त जाना-जानी बन्द कऽ देलगेल । मनशाय की रहैक-कहब कठिन । मुदा जँ ताहि सम्पदा सभक गहन रुपें उत्खनन आ परीक्षण हाइतैक तँ तकर महत्व आर बढ़ि जइतैक आ एहि क्षेत्रक ईतिहास आर कतेक दशक पाछा जा स्थीर होइत । एहिसँ एहि क्षेत्रक तत्कालीन राजघराना, लोकजीवन शैली, राजनीतिक-सामाजिक अवस्थाक जानकारी भेटैत । से नहि भेटौ तकरो मनशाय भऽ सकैछ एहिमे ।

एही क्रममे सप्तरीक एकागढ़क अधुरा उत्खनन, बाराक सिम्रौनगढ़क उत्खनन, महोत्तरीक सोनमाक पुरातात्विक सम्पदा, विद्यापतिगढ़, बनौली (महोत्तरी)क अपूर्ण उत्खनन, दुहबीक शिव मन्दिरक अपूर्ण उत्खनन, धनुषाके भतहीक अपूर्ण उत्खनन एकर प्रभाण अछि । ई सम्पूर्ण क्षेत्रसँ अत्यन्त महत्वपूर्ण पुरातात्विक सामग्री सभ प्राप्त भेल छैक । जकर विवरण जँ नीक जकाँ अइतैक त मिथिलाञ्चलक एहि क्षेत्रक इतिहास आर स्पष्ट आ मजबूतीसँ लिखल जा सकैत छल । से केन्द्रमे बैसल लोक नहि चाहलक । सिम्रौनगढ़क इतिहासकें जे किछु अंश वाहर लएबाक बाध्यता एहु दुआरे भऽ गेलैक जे ओतुक्का शासकक परिवार अन्ततः काठमाण्डू उपत्यकापर राज कएने रहए मध्यकालमे आ से अत्यन्त सफलतापूर्वक ।

हमरा सँगमे एकटा छोटछीन प्रसँग अछि । २०१६ सालमे पुरातत्व विभागक प्रधान अनुसन्धान अधिकृत जनकलाल शर्माक नेतृत्वमे धनुषाक उत्तर-पूर्वमे रहल एकटा गाम भतहीमे सामान्य उत्खनन कएल गेल रहैक । ओतुक्का मौजाक तत्कालीन जीमदार भऱ्याउले गिरीक अनुरोधपर तत्कालीन बडा हाकिम नेपाल सरकारके उत्खननके लेल आग्रह कएने रहैक तखन एकटा टोली आबि निरिक्षण आ सर्वेक्षण कएने रहए । कृषक सभद्वारा खेत जोतलापर भेटल किछु सामग्रीक कारणें ई खोजवीन भेल रहए । ओत आन की भेटलैक, नहि भेटलैक तकर पूर्ण विवरण त नहि देलगेल, तखन एकटा शिला खण्डक किछु टुकड़ी जोड़लापर विष्णु मूर्तिजकाँ भेटलैक जे तखनो अपूर्ण छल । ओहिमे एकटा खास लिपिमे किछु शब्द लिखल रहैक । ओ सामग्री पुरातत्व विभागमे चलगेल । प्रतिवेदक मूर्तिपर लिखल अक्षर केओ पढ़ि नहि सकल कहि तकरा बीसरिगेल । टोली ओहि मूर्तिके मध्यकालके मानने अछि ।

संयोगसँ हमरा अध्ययनके क्रममे ओ प्रतिवेदनक किछु अंश पढ़बाक अवसर भेटल । हम देखलिऐ जे ओ अक्षर आर किछु नहि मिथिलाक्षर

बाँकी पृष्ट ३ मे



जनिकर अलौकिक अगम अदभूत चमत्कार अपार अछि ।
तनिके सुयश गुणगान पर हमरा सभक उद्धार अछि ॥
विश्वास, श्रद्धा परम निश्छल प्रेम साधन अछि तकर ।
विश्वास करवेटा करु हुनकर अपूर्व चरित्र पर ॥

–स्व. रमाकान्त झा ('व्यथा'सँ)

गामघर साप्ताहिक

अपन बात ....



व्यापारक केन्द्र बनत ?

नेपालक मध्यमे रहल रेल एवं रोडवेसँ जुड़ए लागल जनकपुरधाम नेपालक व्यापारके प्रमुख केन्द्र विन्दु बनवाक संभावना बनल अछि । भारत तथा बंगलादेश संग व्यापारक लेल बीच भागमे रहलाक कारणसँ जनकपुरधामके व्यापारक भविष्य बहुत सु:खद छैक । प्रदेश सरकारके सेहो जनकपुरधामके औद्योगिक, व्यापारीक तथा पर्यटकीय केन्द्रके रुपमे विकास करए जेका कामकाज करबाक जरुरी अछि । नेपाल चेम्बर अफ कमर्सक अध्यक्ष स्वयंम व्यापारक लेल प्रमुख केन्द्र बनबाक बात बतौलासँ बनब पक्का छैक ।

खास कऽ कऽ जनकपुरसँ चीनक वोर्डर सेहो नजदिक रहल अछि । ताप्लेजुङ्गकेबाद चीनके तीब्बत रहल अछि । भारतक कलकत्ता बन्दरगाहसँ सेहो जनकपुरधाम बहुत नजदिक रहल अछि । सभ दृष्टिकोणसँ महत्वपूर्ण रहल जनकपुरधामके विकासकलेल ईमान्दार प्रयासके आवश्यकता रहल छैक । ईमान्दार प्रयास विना जनकपुरधामके व्यापारक केन्द्र बनब कठिन छैक ।

भौगोलिक तथा सुगमताक दृष्टिकोणसँ केन्द्र रहलाकबादो विगतमे संघ कएने विभेदक कारणसँ पाछा रहल छल् । एखन किछु कामकाज होबए लगलाकबादो गति शुस्त अवस्थामे छैक । गति बढ़ाबए लेल कामकाज करए पड़ैत अछि । जनकपुरके विकासक लेल जनकपुरबाँसीके सेहो अग्रसर होएब जरुरी छैक । एखनुक अवस्थामे एक कदम आगा बढ़लाकबादो आओर त्याग करब जरुरी छैक। अपन बानीव्यवहारमे सेहो सुधार कऽ कामकाज करए पड़त । एखन मात्र काम चाही आर किछु नहि ।

महत्वपुर्ण टेलिफोन नम्बरसभ

जनकपुर

प्रहरी	५२००९९
केयर एम्बुलेन्स सेवा	५२३८६४,५२०२३०
एम्बुलेन्स रेडक्रस	१०२
एम्बुलेन्स (सरोज फाउन्डेशन)	५२२८०६
रक्तसञ्चार नेपाल रेडक्रस सोसाइटी	५२०८७०
जनकपुर अञ्चल अस्पताल	५२००३३
केयर मेडिकल सेन्टर नर्सिंह होम	५२०२३०
कृष्णा नर्सिंह होम	२१९१८
बछार प्रसूति सेवा केन्द्र	२२४५७
जनकपुर मेडिकल सेन्टर	२००४४
विधुत फ्युज शाखा	२०१५१
एयरपोर्ट	२००४४
जनकपुर रेल्वे	२०२११
बस पार्क	२०९९८
आँखा अस्पताल	२०३९७
नेकोन एयर	२१९००

जलेश्वर

अस्पताल	२००७०
प्रहरी	२०००९
एम्बुलेन्स	२०१००
विधुत	२००६६
विधुत	२०१६६
वारुण यन्त्र	२००८७

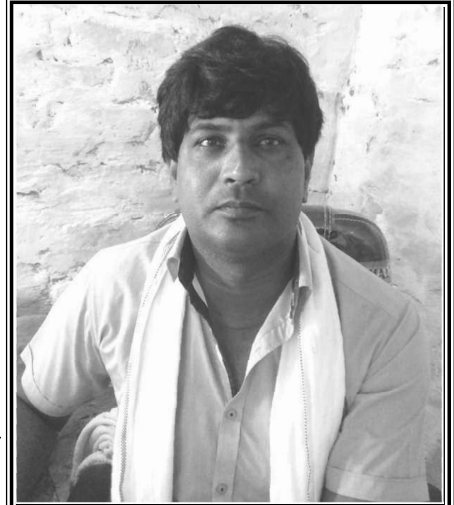
मलंगवा

वारुण यन्त्र दमकल	२००००
प्रहरी	२०१८९
प्रहरी	२००९९
प्रहरी	२०१००
सर्लाही जिल्ला अस्पताल	२०१८३
सर्लाही जिल्ला अस्पताल	२०१३३
विधुत फयुज शाखा	२०१६३

साप्ताहिक विचार

वार्ड अपन काज करएलेल प्रतिवद्ध छैक : जानकी राम साह

जनकपुरधाम उपमहानगर पालिका वार्ड नं. ७ क वार्ड अध्यक्षसँग गामघरक हेतु राजा झाक संग कएलगेल बातचीतके संपादित अंश :



जानकी राम साह
वार्ड अध्यक्ष, वार्ड नं. ७
जनकपुधाम उपमहानगरपालिका

अपनेसभके एक साल केहन बितलैक ?

हमरासभके एक सालक कार्यकाल बहुत निक बितल । ई एक वर्षक समय बहुत ही सफल रहल । एहि एक वर्षमे बहुतो काज कएली आ आगामी दिनमे आओर काज करब ।

आँहा वार्ड ७ के विकासक लेल की सभ कएलियैक वितल एक वर्षमे ?

एहि एक वर्षमे हमसभ रोड नालासभके लेल काज कएलियैक । जिरोमाईलमे निशुल्क वाईफाई सभ लगएलीयैक । एक वर्षमे जे ३५ लाखके जनकपुरधा उपमहानगरपालिकाके बजेट छेलैक ओहिसभसँ वार्डक विकासके लेल आवश्यक रहल क्षेत्रमे खर्च कएलियैक । तहिना हमरा वार्डमे रहल संघ संस्था एवम अन्य चिजसभके विवरणसभ संकलन कएने छी जे एखनधरि दोसर कोनो वार्डमे नहि कएलगेल छैक । तहिना कर बढल समय हमसभ अपन वार्डमे वा वार्डक दिससँ जन्मदर्ता, विवाह दर्ता, मृत्युदर्ता सहितके आओर सभके नि:शुल्क कएने छीयैक । तहिना हमसभ परिक्रमा सडकमे रहल एहि सालमे मांस मदिर के दोकानसभके परिक्रमा क्षेत्रसँ बाहर लजाएके निर्णय कएने छीयैक । हुनकासभके व्यवस्थीत करबाक निर्णय कएलगेल छैक ।

उपमहानगरपालिका दिससँ अपनेसभके एहिके लेल सहयोग भेटैया की नहि ?

एहि मे हमरासभके उपमहानगरपालिका दिससँ कोनो सहयोग नहि भेट रहल छैक । ई जे जतेक नि:शुल्क कएलियैक हमसभ ओ वार्डक निर्णय छैक ।

आगामी दिनके लेल कोन योजनासभ रहल छैक ?

आगामी दिनमे नगरके सरसफाई, मन्दिर, महजिदसभके सौन्दर्यकरणके लेल योजनासभ अनने छीयैक । तहिना शिक्षा क्षेत्रमे सेहो हमर सभके योजना रहल छैक । एखन वार्ड ७ मे १६ टा निजी तथा सरकारी विद्यालयसभ छैक । विद्यार्थीसभके विकासके लेल निशुल्क कमप्युटर वितरण करएके योजनासभ छैक । तहिना वार्ड कार्यालय सेहो बनाबएके हमरसभके योजना छैक । तहिना सार्वजनिक स्थानसभ जेना भमरपुरा चौक, नमस्कार चौक, पेठियाबजार सभमे नि: शुल्क वाईफाईके व्यवस्था करबाक योजना अछि । हमर एकहिटा सोँच अछि जे अपन नगरवासीके समस्यासभके दुर करी ।

जनकपुरधाम उपमहानगरपालिका भ्रष्टाचारमे लिप्त छैक, एहन आरोप बार मबार लगैत आएल छैक, एहिपर की कहबैक ?

ई बात त मेयरे साहब निकसँ कहि सकैत छथि । मुदा हमरा एना नहि लागि रहल अछि । विपक्षीके काजे छैक आरोप लगाबएके आ ओसभ एहन क रहल छैथ । एहि वर्षमे नगरपालिका बहुतो काज कएलकै जहिमे सभसँ महत्तवपूर्ण काज छेलैक रोडक कातमे रहल घरसभके तोडनाई सेहो भेल छैक । हमरा देखलामे नगर पालिका निकेसँ काज क रहल छैक ।

जनकपुरधामबासीसभ कहियाधरि सफा सुन्दर जनकपुरधाम देखए सकतैक ?

जनकपुरधाम उपमहानगरपालिका ओहि काज प्रति अपन डेग बढा रहल छैक । विकासक निभ राखि चुकल छैक । आगामी एक दू वर्षमे जनकपुर वासी सफा आ सुन्दर जनकपुरधाम देखए सकत जेना हमरा लगैत अछि। आ रहि गेलैक विकास ओ त सभदिन होबएबला चिज छैक । अपनेसभ देखीये रहल छी जे एखन सडकसभके विस्तार भ रहल छैक ।

पावनि तिहारके मध्यनजर करैत वार्ड की सभ क रहल छैक ?

हमसभ एकरालेल बल्ब बत्तीसभ हरेक ठाउँपर लगारहल छीयैक तहिना हमरासभके पूर्ण सहयोग छैक एतुका क्लबसभके ।

अन्तमे की कहए चाहबैक अपन वडाबासीसँ ?

हम अपना वडाबासीके ईहे कहबैक पावनि तिहार व्यवस्थीत रुपसँ मनाउ । शान्तिपूर्ण तरि कासँ पावनि तिहारके मनाउ आ एहिके शुभकामना देबैक ।

साहित्य/रंगमंच

लघुकथाक उचाई धरि पहुँचबैत : 'मेध-खण्डमे चन्द्रमा'

डा. विनय विश्वबंधु

'मेध-खण्डमे चन्द्रमा' मैथिली लघुकथा-संग्रह केर रचयिता डा. अनमोल झाक ई कृति देखि, पढ़ि आ स्वादि विशेष हर्षक अनुभूति भेल अछि। एहि पोथीमे कुल एक सय कथाक समायोजन भेल अछि जे फरक-फरक विषय-वस्तुपर आधारित अछि आ अपन-अपन शीर्षक अनुरुपेँ सपाट बयानी करबामे सफल भेल अछि, हिनक ई पाँचम लघुकथा-संग्रह अछि, पोथी केर आरम्भ मे युवा आ समर्पित लघुकथाकार रुपेँ चि. डा. अनमोल झा ओहि स्वरुप मैथिली लघुकथाकार, लघुकथा समीक्षक आ एहि विद्यामेँ आगा लएजयबामे जे कोनो साहित्यकार अथवा सुधीपाठक अपन योगदान देलनि तिनका सभमेँ ओ ई पोथी समर्पित कयलनि अछि से प्रशंसनीय अछि। एहि पोथीक प्रकाशन 'नवारम्भ' पटना/मधुवनी द्वारा भेल अछि। एहि प्रकाशन केर कर्त्ता-धर्त्ता युवा साहित्यकार, कवि, कथाकार, गजलकार, समीक्षक आ मैथिली साहित्य-जगतमे चर्चित नाम आयुष्मान श्री अजीत आजाद अपन मन्तव्यमे "यर्थाथक सहनजमीन पर 'बाइपास' बनबैत संग्रह" मे बहुत रासबात कथाकार केर विषय मे कहलनि अछि से वास्तवमे यथार्थ जकाँ अछि। एक मात्र विधा 'लघुकथा' लिखबाक विधामे जँ मैथिली साहित्य मे रहए सँ बेसी लघुकथाक लघुकथाकार रुपेँ प्रिय अनुज डा. अनमोल झा जी छथि जे अपन नामकँ वस्तुतः अनमोल जकाँ सार्थक सिद्ध करबामे पूर्णतया सफल भेलाह अछि। चि. डा. अनमोल झा जी एखन धरि लगभग ६१ सय लघुकथा लिखि चुकलाह अछि जे कोनो दोसर अघुकथा लिखनिहार कथाकार लेल दुर्लभऽ जकाँ अछि। एतबे नहि ओ एखनो एहि विधामेँ आओर आगा लए जयबामे सतुत सक्रिय छथि। भारत सँ लए कए नेपाल राष्ट्रधरि हिनक लघुकथा सभकेँ पढ़ैत रहैत छी, लघुकथा संग्रह केर अतिरिक्त मैथिलीक कोनो पत्र-पत्रिका होइ अथवा फोल्डर होइ अथवा स्मारिका होइ सभठाम ई लघुकथाकार रुपेँ ठाढ़ देखबामे अबैत छथि अपन लेखनी द्वारा आ अपन नव-नव विचारक सङ्ग। हिनक गुरु आदरणीय प्रो. डा. केष्कर ठाकुर जीक आलेख आदर्शित......। सेहो विशेष प्रभावकारी आ पढ़नीय अछि।

वस्तुतः हिनक लघुकथा सभमे कतौ कोनो काल्पनिक गप नहि रहैछ बल्कि वास्तविक जकाँ सामाजिक, पारिवारिक, राजनैतिक आदि घटना क्रम केर वर्णन भेटैत अछि जाहि सँ लगैत अछि जे कथाकार कतेक संवेदनशील छथि आ ओहि घटना क्रम सभकेँ अपन लेखनी सँ वैचारिकपक्ष मेँ रखबामे सेहो कतेक समर्थ छथि। सँग-सँग पाठकगणकेँ कथा सभ अन्तरमनकेँ झकझोरमे सेहो सफल होइछ तेँ ई निधोख कहि सकैत छी जे डा. अनमोल झा अपन एहि खास विधामे पूर्णतया सफल भेलाह अछि।

लघुकथा साहित्यक सिद्धान्त आओर विश्लेषणात्मक अध्ययन पर हिनक शोध प्रबन्ध निश्चियरुपसँ प्रशंसनीय अछि। एहि शोध प्रबन्ध केर यथाशीघ्र प्रकाशन केर आग्रह हिनक गुरु जी कयलनि अछि सेहो विशेष प्रभावकारी अछि।

एहिना अपन कृति सभसँ चि.डा. अनमोल झा जी मैथिली साहित्य-जगत केर भंडार भरैथ आ विशेष यशस्वी सेहो होइथ इएह शुभकामना !

इति शुभम

रेड क्रस रोड, मधुबनी

जनकपुर क्षेत्रक सांस्कृतिक.......

रहैक, जकरा तहिया पढ़ल नहि जा सकल छल हयत। अथवा कोनो विद्वानसँ पढ़एबाक जरुरति नहि बूझल गेल हयतैक।

ओ प्राचीन मिथिलाक्षर अछि ई बूझि हम एकटा विद्वानसँ सम्पर्क कऽ पढ़बाक आग्रह कएलियनि। ओ अक्षरक अस्पष्टताक बात कहैत तत्काल जे पढ़लनि ओ हमरो चकित कएलक। ओ मिथिलाक्षरे थिक आ तकर अक्षरक बनौटक आधारषर ओ एकरा दशम-बारहम शताब्दीक मानलनि। अर्थात भतही क्षेत्रमे एहि शताब्दीक कोनो गढ़, राजघराना, अथवा मठ(मन्दिरक अस्तित्व छल तकर विवरण पता लगाओल जा सकैछ।

से आईसँ ६० वर्ष पूर्व भेल ओ सर्भेक्षण तहिया कऽ बन्न कऽ देलगेल आ तकर कोनो जाँचो-बुझि नहि। किछुदिन पूर्व धनुषाक मुखियापट्टी मुसहरनीयामे एहिना आग्रहपर भेल सर्भेक्षणमे कुषाणकालीन सामग्रीसभ भेटल अछि। से जाँच बुझक नामपर गेल सामग्रीक पता नहिए अछि तकर प्रमाणिक प्रतिवेदन सेहो दवा देलगेल अथवा किछु कएले ने गेल। ई काज आब प्रदेश सरकारकेँ करबाक चाही। अपन सम्पदाक संरक्षण कऽ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय जगतमे अपन इतिहासक गौरबगाथाकेँ प्रसारित करबाक ई सुन्दर अवसर छैक। मिथिला-मधेशक इतिहासकेँ सदैव सँ दबाओल गेल छैक। एकरा आब बाहर लएबाक जरुरति छैक।

हमरा विश्वास अछि - प्रदेशसभाक सदस्य लोकनि प्रदेश सरकारपर एहि दिश ठोस रुपेँ काज आगा बढ़एबाक हेतु अवश्य दवाव देताह। राजकनीतिक कतेकों पक्ष छै, जाहिपर विमर्श होइते रहैत छैक, एहन पक्षपर नीआरि कऽ विवेचना कर पड़ैत छैक, जाहिमे राजनीति पाछा पड़ि जाइत अछि। आबो आँखि खुजलैक त बहुत किछु सम्हारल जा सकैछ।

साप्ताहिक राशिफल

पं. श्याम झा

मेष (चु चे चो ला ली लु लो अ)



राजनीतिक आ सामाजिक क्षेत्रमे नाम पहिचान बढत। प्रतियोगिताक क्षेत्रमे देल गेल अन्तर्वातामे सफलताक संकेत देत। जीवनसंगिनी सँ मधुरता रहत। एहि हप्ता किछु समस्याकेँ बाबजुदो कारोबारमे लाभ हएत। लेन(देन सम्बन्धि मामिलामे सम्बन्धित पक्ष सँ हस्ताक्षर लेबय नहि बिसरब, अन्यथा निकट भविष्यमे समस्याकेँ सामना करय पडि सकैत अछि। कोनो धार्मिक आ प्राकृतिक सुन्दरता मनकेँ लोभाएत।

वृष (ई उ ए ओ वा वि वु वे वो)



धन लाभ भऽ सकैत अछि। पैतृक प्रपर्टी सम्बन्धी समस्याकेँ समाधान हएत। आर्थिक योग निक रहत। मांगलिक काजक लेल उत्तम समय। माता(पिता सँ सहयोग प्राप्त हएत। परिवारमें खुशीक माहौल अछि। व्यापारिक छोट(मोटी यात्रा भऽ सकैत अछि। नौकरीपेशामे रहल व्यक्तिकेँ नयाँ अवसर प्राप्त हएत।

मिथुन (का कि कु घ ङ छ के को ह)



वित्तीय उन्नति सँ चेहरा पर मुस्कान रहत। धनाभाव आब समाप्त भऽ जाएत। सन्तान पक्षक उच्च सफलता सँ हौसला बढत। व्यापार क्षेत्रमे भाग्य अहाँक संग अछि। पारिवारिक जीवनमे तालमेल आ सहयोग बढत। हप्ताक अन्तमे स्वास्थ्यक चिन्ता भऽ सकैत अछि, सावधान रहब। जमीन सम्बन्धि पैतृक विवाद सोझारयकेँ सम्भावना अछि मुदा दोसरकेँ बात नहि मानब। बानरकेँ फुलाएल चना आ गायकेँ गुड खुआएब लाभदायक हएत।

कर्कट (हि हू हे हो डा डी डु डे डो)



व्यावसायमे पकड मजबूत हएत। कोनो लाभकारी काज भऽ सकैत अछि। पूंजी लगानीमे लाभक बाट धिरे धिरे खुजत। मुदा प्रयासकेँ नहि छोडब। स्वास्थ्य उन्नत रहत। माय बाबुकेँ कार्य व्यवहार सँ प्रसन्नता हएत। प्रेम सम्बन्ध किछु समयकेँ लेल बाधित भऽ सकैत अछि। यात्राक क्रममे अनजान व्यक्तिपर भरोसा नहि करब, अन्यथा हानी भऽ सकैत अछि।

सिंह (मा मि मु मे मो टा टी टु टे)



शिक्षा आ स्वास्थ्यक क्षेत्रमे आशातित सफलता प्राप्त हएत। कानूनी आ प्राविधिक शिक्षाकेँनिखारयमे रुचि रहत। पूंजी लगानीकेँक्षेत्रमे लाभ हएत। निजी आ सरकारी क्षेत्रमे उच्च सेवाक हेतु अहाँक नाम प्रस्तावित रहत। प्रेम सन्दर्भमे मधुरता रहत। बिना सोचल समझल कोनो एहन निर्णय नहि लिए जे अगामी भविष्यकेँ दुष्प्रभावित करत। विरोधी पक्ष अहाँक छविकेँखराब करबाक योजना बना सकैत अछि।

कन्या (टो पा पी पु ष ण ठ पे पो)



स्वास्थ्य बढिया रहत। संतुलित दिनचर्याक कारण लाभ प्राप्त हएत। कतहुँ सँ धन लाभक सम्भावना अछि। प्रतियोगितामे उच्च स्थान प्राप्त करबाक लेल अभ्यासकेँ निरन्तरता आवश्यक अछि, आलस्यता सँ बचब। भौतिक सुख साधनमे वृद्धि हएत। वाहन खरिद करबाक आकांक्षा पूर्ण हएत। पारिवारिक सम्बन्धमे दुरी नहि बढे एहि पर ख्याल करय पडत।

तुला (रा री रु रे रो ता ति तु ते)



शैक्षिक स्तर उच्च हएत। अहाँक योग्यता आ क्षमताकेँ प्रशंसा हएत। विज्ञान, कला क्षेत्रों में उच्च सफलता प्राप्त करब। विवाहक योग अछि। आर्थिक स्थितिकेँ समृद्ध बनाबयमेँ किछु समय लागि सकैत अछि। जमीन सम्बन्धि विवादमे भागदौड बढि सकैत अछि, सावधानी अपनाएब। चिडै चुनमुनकेँ दाना देब लाभदायक अछि।

वृश्चिक (तो ना नि नु ने नो या यि यु)



स्वास्थ्य उत्तम रहत, दुःखक समयकेँ अन्त हएत। समाजमे पहिचान भेटत। रहन(सहनकेँ स्तर उच्च रहत। कार्यक्षेत्रमे पदोन्नतिकेँ योग अछि। लेन(देनमे फंसल पूंजी पुनः हाथ लागत। घरमे खुशीक माहौल कायम रहत। विरोधी पक्षकेँ कमजोर नहि बुझब, अन्यथा घाटा भऽ सकैत अछि। कोनो गरीब कन्याकेँ विवाहमे सोन, चाँनीकेँ गहना वा कपडा दान करब।

धनु (ये यो भा भी भू ध फ ढ भे)



स्वास्थ्य फूर्ति आ जोश सँ परिपूर्ण रहत। कार्यक्षमतामे बृद्धि हएत। आर्थिक उन्नतिकेँ बन्द बाट खुजत मुदा प्रयास जारी राखय पडत। अहाँक उत्तम सेवाकेँ देखैत सम्बन्धित संस्थान कार्यावधिकेँ आओर बढा सकैत अछि। सन्तान पक्ष सँ खुशीक कोनो समाचार प्राप्त भऽ सकैत अछि। जीवनसाथी सँ मतभेदक अन्त हएत। जमीन सम्बन्धि अदालती मामिलामे समस्या बढि सकैत अछि।

मकर (भो ज जि जु जे जो खा खि खु खे खो गा गी)



वित्तीय उन्नति सँ चेहरा पर मुस्कान रहत। धनाभाव आब समाप्त भऽ जाएत। सन्तान पक्षक उच्च सफलता सँ हौसला बढत। व्यापार क्षेत्रमे भाग्य अहाँक संग अछि। पारिवारिक जीवनमे तालमेल आ सहयोग बढत। हप्ताक अन्तमे स्वास्थ्यक चिन्ता भऽ सकैत अछि, सावधान रहब। जमीन सम्बन्धि पैतृक विवाद सोझारयकेँ सम्भावना अछि मुदा दोसरकेँ बात नहि मानब। बानरकेँ फुलाएल चना आ गायकेँ गुड खुआएब लाभदायक हएत।

कुम्भ (गु गे गो सा सी सु से सो द)



गृहस्थ जीवनकेँ आंगनमे खुशिक माहौल रहत। शुभ कार्यक आयोजन हएत। अध्यापन, कला, फिल्म, सौंदर्य सँ सम्बन्धित क्षेत्रमे नाम आ सम्मान बढत। आर्थिक स्थितिकेँ उच्च बनाबयकेँ कोनो नयाँ तरिका निकालब। कोई नयाँ अनुबंध प्राप्त करयमे सफल रहब। जमीन सम्बन्धि मामिलामे तनाव भऽ सकैत अछि। यात्रामे सावधानी अपेक्षित रहत। ई शत्रु पर विजय प्राप्त करबाक अछि।

मिन (दि दु ध झ ञ दे दो चा चि)



एहि हप्ताक शुरुमे रोजगारक प्रयासमे सफलता भेटत। अर्न्तवार्ताकेँ क्रममे अपन योग्यताकेँ प्रदर्शन करय सँ पाछु नहि हटब। पूजी लगानीमे किछु समयक बाद फाइदा हएत। पुराना मित्र सँ भेंट भेलाक कारण प्रसन्नता बढत। माय बाबु सँ लगाब बढत। कोनो व्यक्ति आ संस्थाक माध्यम सँ न्याय आ हकक लडाई शुरु भऽ सकैत अछि। आवश्यक दस्तावेजकेँ सम्हारि कऽ राखु। धर्मयात्राक योग अछि।

मिथिलाञ्चलमे जितिया पावनि सम्पन्न

गामघर समाचारदाता

जनकपुरधाम। मिथिलाञ्चलक महिला सभक महान पावनि जितिया जनकपुर सहित मिथिलाञ्चलक बिभिन्नक्षेत्रमे सम्पन्न भेल अछि । नेपाल भारतक मैथिलानी महिला सभ धुमधामके सँग जितिया पावनि मनउलक अछि । सोमदिन ‘नहाय खाय’ सं शुरू भेल मंगलदिन उपवास आ वुधदिन पारन क॑ क॑ सम्पन्न भेल अछि। जितिया पावनिके कठोर पावनिमेसँ एक मानल जाइत अछि । एकटा कहावत सेहो अछि जितिया पावनि बड़ भारी ‘धिआ पुता के ठोकि सुतएलौं अपने खएलौं भरि थारी । एहि पावनिके पुत्रके कामना आ पुत्रके दीर्घायु होबयके लेल



कएल जाएत अछि। एक तरहे कहि सकय छी जे एहि पावनिके मां अपन बेटाक लेल करय छथिन्ह। उपवास क॑ क॑ कष्ट उठबैत छथिन्ह से कहल जाइत अछि। व्रत के प्रभाव सं पुत्र(पौत्र सदा आरोग्य रहैत अछि। उपवासके बाद जीमोहन धारण कएलासं वंशक वृद्धि आओर समृद्धि होएत अछि । उपवासके बाद राजा जीमूतवाहनके कथा सेहो सुनल जाइत अछि। उपवासके बाद पारणके समय कतेको तरहक पकवान‘ खनाइ(पिनाइ होइत अछि ।

शान्ति आ समृद्धिक शुरुवात घरेसँ करए पड़त : मुख्यमन्त्री राउत

गामघर समाचारदाता

जनकपुरधाम

मुख्यमन्त्री लालबाबु राउत शान्ति आ समृद्धिक शुरुवात घरेसँ करए पड़बाक बात बतौलनि अछि । युनिभर्सल पिस फाउण्डेशन नेपालक आयोजनामे जनकपुरधाममे सम्पन्न शान्ति आ दिर्घकालिन विकासके लेल जनप्रतिनिधीसभक भूमिका विषयक कार्यशाला गोष्ठिके सम्बोधन करैत ओ शान्ति विना दिर्घकालीन विकास सम्भव नहि रहल बतौलनि । समाजमे शान्तिक स्थापना भेलाकबाद मात्र दिर्घकालीन विकासके परिकल्पना करए सकबाक बात बतबैत ओकर ।लेल घरेसँ शुरुवात करए



लेल जनप्रतिनिधिसभसँग आग्रह सेहो कएलनि ।

पूर्वि सभ्यता स्थापना कएने पारिवारिक व्यवस्था शान्तिक मुख्यआधार अछि कहैत ओ अपन सभ्यताक संरक्षण क॑ क॑ आगा बढ़ए परबाक जिकिर कएलनि । प्रदेश भरि के स्थानीय तहक प्रमुख उपप्रमुखसभके उपस्थिति रहल ओ कार्यशालामे मुख्यमन्त्री राउत देश संघीयतामे चलि गेलाक परिपेक्षमे तीनु तहके सरकारसँग हाथ मिलाकए आगा बढ़एबाहेक आओर कोनो विकल्प नहि भेल मुख्यमन्त्री राउत बतौलनि ।

लोप भ॑ रहल ....

कएनेमे भाषानुरागी चिन्तित छथि । मिथिलाक्षर संरक्षण अभियानी तथा मैथिली साहित्यकार सभाक अध्यक्ष प्रेम विदेह ललन भाषा, साहित्य, कला, संस्कृति तथा मिथिलाक्षरके संरक्षण संवर्द्धनके जिम्मा केन्द्रसँगहि प्रदेश आ स्थानीय सरकार सेहो लेबए पड़त बतबैत छथि । ओ कहलनि, ‘जनकपुर प्राचीन मिथिलाक राजधानी जनकपुरधाम मानल जाइत अछि मुदा अतह मेयर मिथिलाक्षरमे बोर्डधरि राखए नहि मानने छथि ।

(स्वर)							
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ऌ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अ:		

नेपालक संविधान २०७२ देवनागरी लिपिके संवैधानिक मान्यता द॑ क॑ अन्य लिपिसँग विभेद कएने आरोप भाषाविदसभके अछि । संविधानमे देवनागरी लिपिमे लिखलगेल नेपाली भाषाके सरकारी कामकाजक भाषा कहल गेलाकबादो अन्य लिपि सम्बन्धमे किछु नहि बजने छैक । मिथिला नाट्यकला परिषदके पूर्वअध्यक्ष सुनिलकुमार मल्लिक मिथिलाक्षर संरक्षणके लेल स्थानीय संघसंस्था आगा आबए पड़बाक बतबैत छथि । ओ तीनु तहके सरकारके दबाब देबाक तथा स्थानीय स्तरमे मिथिलाक्षर सिकाइ तालिम सेहो सञ्चालन करबाक योजना रहल सुनौलनि ।

साभार : अनलाईन

कविता

गजल

अशोक दत्त

सम्वेदना शून्य भ रहल, छैक आँखिमे पानि नइँ
कहियाधरि आहत हेतै, जीवनमूल्य जानि नइँ

लाशक ढेरीपर सिंहासन, से उन्मादे मातल छै
पतचट्टा कौराके पाछु, कनिको हानि(गरानि नइँ

मालिकक पोसुवा सुगासन, बाजे मालिकक भाषा
ठका रहल सब दिन तैयो, छुटै किए बानि नइँ

नेता की भगवाने छथि वो, जे करथि से सब लिला
भक्तजनके साँच बाजमे, फुटै छैक बकानि नइँ

एकजूट भ साँच बाजके, हिम्मत जाधरि ने हेतै
हुर्रा-हुर्रीक खेल चलतै, कहियाधरि जानि नइँ

फेसबुक उपर ....

फेसबुकमे एकटा गम्भीर सुरक्षा त्रुटी देखलगेल आ ओकरासँ ९ करोड़ प्रयोगकर्ता प्रभावित भेल फेसबुक जनौने अछि । यद्यपि, ई समस्या देखलगेल आ समाधान सेहो भ॑ चुकल फेसबुक जनौने अछि। ह्याकरसभ फेसबुकके ख्भ्मध ब्क फिचरके दुरुपयोग क॑ प्रयोगकर्ताक डाटा लिक कएने अछि। फेसबुकके एहि फिचरसँ प्रयोगकर्ताके अपन प्रोफाइल दोसर गोटेके केहन देखाईत अछि से देखा दैत अछि।

समस्या समाधानक लेल फेसबुक ९ करोड़ प्रयोगकर्ताके लगइन रिसेट कएने अछि। जहिके कारण ओहन प्रयोगकर्ताक अकाउन्ट स्वतः लगआउट भेल अछि आ हुनकासभके पुनः लगइन करए पड़ल अछि । पछिला वर्षमे भ्यूजएज फिचर प्रयोग कएने सभ प्रयोगकर्ताके अकाउन्टके लगइन रिसेट कएलगेल छैक । पछिला साइबर हमला के आ कहाँसँ कएने अछि कहबाक विषयमे जानकारी प्राप्त नहि भेल फेसबुक जनौने अछि । पछिला समय साइबर सुरक्षा सम्बन्धी समस्यासँग लड़ैत आएल फेसबुकके लेल ई ह्याकिङ माथ दुखाएके दोसर विषय बनल अछि ।

पछिला ह्याकिङके घटनासँगहि फेसबुक अनुसन्धान निर्णयमे नहि पहुँचएधरिके लेल भ्यूज एज फिचरके अस्थायी रुपमे बन्द करए लागल अछि ।

मनोरञ्जन

राजकुमारक अजिबो-गरिब खिस्सा

एजेन्सी

बलिवुडक महान्तम अभिनेता जे अपन डायलगके लेल फेमस छथि ओहिमेसँ एक छथि राजकुमार । जानी हुनकासँ जुड़ल किछु खिस्सा । राजकुमार बहुत फटहा आदमी रहथि । जे दिलमे अबएन, ओकरा शब्दक बाण बनाकए सामने वालापर दागि दैत छलथि । ईहो नहि सोँचैत छलथि जे सामने वालाके एहि बातसँ बुरा लगतैन या नहि । पेश अछि किछु एहन खिस्सा, जे बलीवुडमे बहुत मशहूर छैक । ई कतेक सही अछि या गलत, से तऽ नहि बताओल जा सकैत अछि, मुदा एकरा खूब चटखारा लऽ कऽ सुनाओल गेल ।

राजकुमार आ गोविंदा एकटा फिल्मक शूटिंग करैत छलाह । गोविंदा फटाफट शर्ट पहिरैत राजकुमारके सँग शूटिंग खत्म भेलाकबाद समय बितबैत रहथि । राजकुमार गोविंदासँ कहलनि "यार तुम्हारी शर्ट बहुत शानदार है ।" चीची अतेक बड़ेका आर्टिस्टके ई बात सुनि बहुत खुश भेलथि । ओ कहलनि की सर आँहाके ई शर्ट पसंद अछि तऽ आँहा राखि लीयए । राजकुमार गोविंदासँ शर्ट लऽ लेलनि । गोविंदा खुश भेलथि जे राजकुमार हुनकर शर्ट पहीरताह । दू तीन दिनकबाद चीची देखलथि जे राजकुमार ओहि शर्टके एक रुमाल बनवाकए अपन जेबमे रखने छथि ।

एकटा पार्टीमे संगीतकार बप्पी लाहिरी अक्खड़ राजकुमारसँ मिललथि । अपन आदतके मुताबिक बप्पी बहुत सोनाक आभुषणभ लगौने रहथि । बप्पीके राजकुमार ऊपर सँ नीचा धरि देखलथि आ ओकरबाद कहलथि वाह, शानदार । एक सँ एक गहना पहिरने छी, मात्र मंगलसूत्रके कमी रहल अछि । बप्पीके मुंह खुला के खुला ही रहि गेल हयत ।

जीनत अमान फिल्म इंडस्ट्रीमे फेमस भऽ गेल रहथि । 'दम मारो दम' गाना धूम मचा चुकल रहनि । फिल्म निर्माता अपन फिल्ममे जीनतके साइन करएके लेल मरैत जाएत छलथि । एकटा पार्टीमे जीनतके भेट राजकुमारसँ भेलनि । जीनतके लगलनि तारीफके दू(चारिटा शब्द राजकुमार जेहन कलाकारसँ सुनएके मिलतनि । जीनतके राजकुमार देखलनि आ कहलनि जे आँहा अतेक सुंदर छी, फिल्ममे कोशिश कीयाक नहि करैत छी । आब ई बात सुनिकए जीनतके केहन हाल भेल हएतैक, समझि सकैत छी ।

विज्ञान/प्रविधि/स्वास्थ्य

प्राकृतिक तेलसँ करी मच्छसभसँ बचाव

एजेन्सी

आजुक मौसममे साँझक समयमे बाहर बैसएसँ पहिने दस बेर सोँचए पड़ैत अछि । अतह पहिनेसँ उपस्थित रहल मच्छरके डर मौसमके आनंद सेहो नहि लेबए दैत अछि ।

मच्छर डेंगु आ मलेरिया जँका गंभीर बीमारीके सेहो जन्म दैत अछि । मच्छरक आतंकसँ बाँचएलेल बहुतो गोटे मस्किटो रिपेलेंट लिक्विड या क्रीमक प्रयोग करैत अछि । मुदा कहियो काल एकर प्रयोगसँ त्वचा सम्बन्धि परेशानीसभ सेहो होइत अछि। एकरासँ निक अछि जे मच्छरसँ बाँचएके लेल प्राकृतिक तरीका अपनाओल जाए । किछु एहन प्राकृतिक तेल अछि जे त्वचा पर बेअसर होइत अछि आ मच्छरके सेहो दूर भगबैत अछि। जानी एहन तेलसभके सम्बन्धमे :

मच्छरसँ बाँचएलेल पेपरमिंट आयल प्राकृतिक निवारक छैक । दरअसल मच्छरसभके पुदीनाक तेलके गंध कनीको बर्दाश्त नहि होइत अछि । ओहिके कारण घरसँ बाहर निकलएसँ पहिने अपन शरीर पर पेपरमिंट आयल लगाकए निकली । एहि तेलके अपन कपड़ापर सेहो कनीक राखि सकैछ ।

मच्छरके भगाबएलेल नीमक तेल बहुत फायदेमंद होइत अछि । इनफ्यूजरके मददसँ नीमक तेलके पूरा घरमे छिड़काव करी । ऐना कएलासँ घरमे मच्छरके नामोनिशान सेहो नहि रहत। एकरा अलावा नारियल तेलमे नीमक तेलके मिलाकए पूरा शरीरपर सेहो लगाओल जा सकैत अछि। आँहासभ नारियलके तेलमे नीमक तेल मिलाकए ओकर डिबिया सेहो बारि सकैत छी । जहिके कारण मच्छर भागत ।

मच्छर भगाबएबला रिफिलमे लिक्विड खत्म भेलापर ओहिमे नेबोक रस आ लैवेंडर तेलके भरिकए लगाबी। एकर अलावा आँहा लैवेंडर आयलके सिट्रोनेला तेल आ यूकेलिप्टस आयलके साथ मिक्स कऽ घरमे स्प्रे कऽ सकैत छी। आँहाके घरसँ मच्छर छू मंतर भऽ जाएत। हरेक २-३ घंटाक बाद स्प्रे करैत रही । आँहासभके जँए ईच्छा होबाए तऽ लैवेंडर आयलके हाथ(पैरपर सेहो लगा सकैत छी ।

फेसबुक उपर ह्याकरके हमला, ९ करोड़ प्रयोगकर्ता प्रभावित

सोसल मिडिया साइट फेसबुकके करिब ९ करोड़ प्रयोगकर्ता ह्याकरके निसानामे परल अछि ।

बाँकी पुष्ट 8 मे

लोप भऽ रहल मिथिलाक्षरके पुनः प्रयोग हो

लिखाईमे धनुषा, बोलाइमे धनुखा, लिखाईमे शान्ति, बोलाईमे सान्ति, लिखाईमे ऋषि बोलाईमे रिसीरु। अधिकांश मैथिलीभाषी लेखासँ एहिना फरक लवजमे संवाद करैत छथि । मैथिलीभाषीक लेखाइ आ बोलाइमे देखलगेल ई फरकपनके भाषाविज्ञसभ मौलिक लिपि मिथिलाक्षर (तिरहुता) के प्रयोग नहि होनाईके मुख्य दोष दैतछथि । मिथिलाक्षर वर्णमालाके १० स्वर तथा ३३ व्यञ्जनमध्ये दीर्घ स्वर अर्थात् ई आ ऊके प्रयोग प्रायः नहि होइत अछि । स्वरसँग संयुक्ताक्षरके रूपमे प्रयोग होवएबला अनुस्वार (अं) तथा विशर्ग (अः) सेहो व्यञ्जन मानल जाइत अछि। एकर सँगहि मैथिली वर्णमालामे श, ष, त्र सहितक किछु शब्दके उच्चारण सेहो नहि अछि । भाषाविज्ञ प्रा.डा.योगेन्द्रप्रसाद यादव कहलनि, 'मैथिली लेखनमे मिथिलाक्षरके सट्टा देवनागरी लिपिके प्रयोग कएलाक कारण उच्चारणजन्य समस्या आएल अछि ।'

नेपाल आ भारतमे मैथिलीभाषीके संख्या ५ करोड़क हाराहारीमे छैक । दूनु देशमे समान रूपसँ बाजल गेलाक कारण, डा.यादव एहि भाषाके अन्तर सीमावर्ती भाषाक संज्ञा दैत छथि । मैथिलीके तिरहुता, देहाती, ठेंठी, अवहट्ठ या अपभ्रंश पर्यायवाची शब्दसँ सेहो सम्बोधन कएल जाइत अछि ।

तिरहुता शिखू
ल लताम
व वर्षा
श शरीर
ष षटमुखं
स सरोता
ह हरिण

मिथिलाक्षर लिपिके विकास ब्राह्मीलिपिसँ बाङलालिपि होइत ईसापूर्व तेसर शताब्दीमे भेल भाषाविदसभके दाबी अछि । इशापूर्व तेसर शताब्दीमे अशोक अभिलेखमे प्रयोग भेल लिपि मिथिलाक्षर छैक से प्रमाणित भेल अछि । आठम शताब्दीमे लिखित सिद्धवचन तथा दोहा, तेरहम शताब्दीमे ज्योतिरीश्वर लिखित वर्णरत्नाकर तथा पुरुष परीक्षा, विद्यापति लिखित भागवत गीताके मैथिली अनुवाद, भूपरिक्रमासहितक ग्रन्थ मिथिलाक्षरमे लिखलगेल छैक । नेपाल आ भारतके पुस्तकालयसभमे मिथिलाक्षरमे लिखलगेल सयौं पाण्डुलिपि अद्यापि छैक । २१ ऋम शताब्दीक मध्यसँ लिखल जाएबला अधिकांश साहित्य मिथिलाक्षर लिपिमे रहैत छल । मिथिलाञ्चलमे होवएबला विवाह, उपनयन सहितक अन्य कार्यक्रममे कार्ड सेहो मिथिलाक्षर या कैथी लिपिमे लिखबाक चलन रहए मुदा अचेल मिथिलाक्षर पञ्जी (मैथिल ब्राह्मण आ कायस्थके वंशावली) मे सीमित बनल छैक । पछिला बेर किछु साहित्यकार मिथिलाक्षरमे पुस्तक लिखलाकबादो पाठकके सुविधाकलेल एकरा देवनागरीमे सेहो अनुवाद प्रकाशित करए पड़ल छैक । मिथिलाक्षर लिपिमे मानव अंग, वैदिक कर्मकाण्डमे प्रयुक्त होबएबला मण्डप, त्रिकोण, चतुष्कोण, मिथिला चित्रकला तथा अरिपन आदिके चित्रसँ मिथिलाक्षरके विकास भेल उल्लेख मिथिला अन्वेषण एवं दिग्दर्शन नामक पुस्तकके लेखक इन्द्रनारायण झा कएने छथि ।

मैथिली साहित्यके जानकार वरिष्ठ फिजिसियन डा. विजयकुमार सिंह मिथिलाक्षर लिपिके संरक्षणविना मैथिली भाषाके मौलिकता बँचाबए कठिन हएबाक बतबैत छथि । ओ कहलनि, 'मिथिलाक्षर मिथिलाञ्चलवासीके मात्र नहि, नेपाल भारत दूनु देशके संझिया सम्पत्ति अछि । एकर संरक्षणके लेल दूनु देशक सरकारके चाखि देखाबए पड़त ।' भाषाविद चूडामणि बन्धु 'लेखन पद्धति आ नेपालक लिपिसभ' विषयक अपन आलेखमे लिपिबिनाके भाषा अछि मुदा भाषाबिनाक लिपि नहि अछि, कहल जाइत अछि । भाषा विकासक लेल अतिआवश्यक मानल जाएबला लिपिके बेवास्ता

बाँकी पृष्ट ४ मे

स्थानीय सरकारके एक वर्ष पुरा



गामघर समाचारदाता
जनकपुरधाम

स्थानिय सरकारके बनला एक वर्ष पुरा भेलाकबादो स्थानिय तहसभमे विकासक गति लेबए नहि सकल अछि । चुनाव सँ पहिने बड़का बड़का सपनासभ देखौने जनप्रतिनिधिसभ एखनधरि कोनो प्रतिवद्धता पुरा नहि कएने जन उपराग अछि । एक वर्ष पहुँचलाकबादो विकासक गति लेबएनहि सकल स्थानिय तहमेसँ एक अछि प्रदेश नं. २क अस्थाई राजधानी जनकपुरधाम उप-महानरपालिका ।

जनकपुरधाम उप महानगरपालिकाक प्रमुखमे राजपा नेपालसँ निर्वाचित लालकिशोर साह चुनाव जितने रहए । चुनावमे जितलाक एक वर्ष पहुँचलाकबादो अतके स्थानियवासीसभ एखनधरि जनप्रतिनिधिसँ खुश नहि अछि । जनकपुरधाममे रहल मच्छरक समस्या, खुल्ला रुपमे रहल मालजाल, सार्वजनिक शौचालय, सरसफाई जेहन बहुतो समस्यासभ जहिनाके तहिना अछि ।

स्थानीय निकायमे जनप्रतिनिधि चुनलगेल प्रदेश २ मे एक वर्ष पुरा कएने अछि । स्थानीय सरकारक काज आ ओसभ पकड़ए नहि सकल विकासक लक्षप्रति अतके बुद्धिजीवीसभ चिन्ता व्यक्त कएने छथि ।

निर्वाचित भेलाक एक वर्षमे कार्यलय व्यवस्थापन, सवारीसाधन खरिद, विद्युत् बत्ती जडान, सड़क विस्तार आ कर्मचारी नियुक्ति कऽ कऽ मेयर साह विवादमे आबि गेल छथि । जनकपुरधाममे वर्षोसँ समस्या बनल गन्दगी व्यवस्थापन आ सरसफाइ प्रभावकारी होबए नहि सकल अछि ।

चुनाव जितलाकबाद स्वयम झारु ल क सडकमे आएल मेयर साह सरसफईके मामलामे सेहो असफल भेल छथि।

मुदा वर्षोसँ सडक विस्तारक हेतु घरसभके तोडिकए अपन हिम्मत सेहो देखओलनि जाहिसँ सभ ठामँसँ सराहना सेहो कएलगेल छन्हि।

प्रदेश २ मे ५९ गाउँपालिका, ७३ नगरपालिका, ३ उपमहानगर आ १ महानगर क क १ सय ३६ स्थानीय तहमध्ये नेपाली कांग्रेसके ४०, संघीय समाजवादी फोरमके २६, राजपा नेपालके २५, तत्कालीन माओवादी केन्द्रक २१, तत्कालीन एमालेसँ १८ आ अन्यसँ ६ प्रमुख अछि ।

प्रधान सम्पादक तथा प्रकाशक: रामभरोस कापडि 'भ्रमर', कार्यालय: १/५५५ सरस्वती सदन, जनकपुरधाम- १, फोन नं. ५२०२६७,फैक्स नं.: ५२७४८९, मुद्रक: मोडेल अफसेट प्रेस जनकपुरधाम, e-mail: egamghar.2075@gmail.com